बृहस्पतिवार, 06 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

मोहम्मद कैफ ने चयनकर्ताओं को लेकर किया बड़ा दावा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'मुसाफिर कैफे' रिव्यू: लव स्टोरी को देख होंगे इमोशनल सपनों की उलझन से सजी खूबसूरत कहानी

Page-05

CDS अनिल चौहान का बड़ा खुलासा बोले- सीजफायर के लिए पाकिस्तान को कराया इंतजार

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारत के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने एक बड़ा दावा किया है। उनके मुताबिक, 10 मई 2025 को जब पाकिस्तान ने भारत से तत्काल युद्धविराम की अपील की, तब भारत ने उसे तुरंत स्वीकार नहीं किया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की ओर से DGMO हॉटलाइन के जरिए सीजफायर की मांग किए जाने के बाद भारत ने कुछ समय तक इंतजार किया।जनरल अनिल चौहान के अनुसार, उस समय भारत की सैन्य कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई थी। उनके दावे के मुताबिक, भारत द्वारा तय किए गए सैन्य हमलों में से करीब आधे हमले उस समय बाकी थे। ऐसे में तत्काल युद्धविराम स्वीकार करने के बजाय भारत ने अपनी निर्धारित कार्रवाई को आगे बढ़ाने का फैसला किया।यह घटनाक्रम 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव के दौरान हुआ था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ढांचे से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाने की कार्रवाई की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था और सीमा पर सैन्य गतिविधियां तेज हुई थींपूर्व CDS के इस दावे ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की रणनीति और सैन्य निर्णय प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है। उनके बयान से यह संकेत मिलता है कि भारत ने उस समय केवल तत्काल संघर्षविराम पर ध्यान देने के बजाय अपनी सैन्य योजना को पूरा करने को प्राथमिकता दी।

जंतर-मंतर पर सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

सेप्टिक टैंक मौतों पर उठी आवाज

दिल्ली के जंतर-मंतर पर बुधवार को सफाई कर्मचारियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'हाथ से मैला उठाने वालों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' को देशभर में प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग उठाई।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और उनके पुनर्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कर्मचारियों की जान जाने की घटनाएं लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई हैं। इसके बावजूद ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों और कानूनों का प्रभावी पालन हर जगह सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है।जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कई पीड़ित परिवार भी पहुंचे। कुछ लोगों ने सिर पर "हमें मारना बंद करो" लिखी पट्टियां बांध रखी थीं। इन नारों के जरिए उन्होंने सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान अपने परिजनों को खोने का दर्द और नाराजगी जाहिर की।प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि सफाई कर्मचारियों को खतरनाक परिस्थितियों में बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम करने से रोका जाए। उनका कहना है कि सफाई व्यवस्था को बनाए रखने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसके साथ ही हादसों में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों के लिए उचित मुआवजा, पुनर्वास और अन्य जरूरी सहायता सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई।प्रदर्शन में शामिल मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने भी सरकार से कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की अपील की। उनका कहना है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके प्रावधानों को जमीन पर लागू करना भी उतना ही जरूरी है।सफाई कर्मचारियों के परिवारों का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ रोजगार या मजदूरी का मुद्दा नहीं है, बल्कि जीवन और सम्मान से जुड़ा सवाल है। उनका आरोप है कि सफाई के दौरान जोखिम उठाने वाले कर्मचारियों को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिलती।जंतर-मंतर का यह प्रदर्शन एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ले आया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि सरकार इन मांगों पर क्या कदम उठाती है और सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा तथा पुनर्वास से जुड़े कानूनों को कितनी प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है।

CJP ने राजनीति से बनाई दूरी अभिजीत दिपके बोले- अभी प्रेशर ग्रुप की जरूरत

कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP ने फिलहाल चुनावी राजनीति से दूरी बनाने का फैसला किया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बुधवार को कहा कि संगठन अभी एक राजनीतिक दल के बजाय प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगा। उनका कहना है कि मौजूदा समय में देश को एक और राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि ऐसे समूह की जरूरत है जो जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाए और सरकारों पर नीतिगत फैसलों के लिए दबाव बनाए।CJP की कोर टीम ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक बैठक की। बैठक में संस्थानों में घटते जन-विश्वास, इथेनॉल-मिश्रित ईंधन और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। संगठन का कहना है कि इन विषयों का सीधा संबंध आम लोगों की जिंदगी और देश की अर्थव्यवस्था से है। ऐसे मुद्दों पर लगातार चर्चा और सार्वजनिक दबाव बनाने की जरूरत है।बैठक से पहले पत्रकारों से बातचीत में अभिजीत दिपके ने पार्टी की मौजूदा रणनीति को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि CJP फिलहाल चुनाव लड़ने या पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के बजाय प्रेशर ग्रुप के रूप में काम करेगी। संगठन का फोकस ऐसे मुद्दों पर रहेगा, जिन्हें वह जनहित से जुड़ा मानता है।CJP की ओर से उठाए गए मुद्दों में बेरोजगारी भी प्रमुख है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और आर्थिक सुरक्षा लगातार राजनीतिक बहस के महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। इसी तरह इथेनॉल-मिश्रित ईंधन को लेकर भी संगठन ने चर्चा की। पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को लेकर देश में पहले से ही कीमत, उपलब्धता, वाहन और किसानों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बहस होती रही है।

कांग्रेस-NC का 'ब्लैक डे' प्रदर्शन

अनुच्छेद 370 की बरसी पर सियासत गरम

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सात साल पूरे होने पर बुधवार को राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) ने 5 अगस्त को 'ब्लैक डे' के तौर पर मनाते हुए केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर अनुच्छेद 370 को लेकर पुरानी बहस तेज होती नजर आई।5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधानों को हटाने का फैसला किया था। इसके साथ ही तत्कालीन राज्य को पुनर्गठित कर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। केंद्र सरकार ने इस कदम को जम्मू-कश्मीर के विकास, सुरक्षा और देश के साथ पूर्ण एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण फैसला बताया था।वहीं, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत कुछ क्षेत्रीय दल इस फैसले का लगातार विरोध करते रहे हैं। इन दलों का कहना है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने से जम्मू-कश्मीर की विशेष संवैधानिक स्थिति और राजनीतिक अधिकार प्रभावित हुए। सात साल बाद भी यह मुद्दा केंद्र और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के बीच मतभेद का एक प्रमुख कारण बना हुआ है।इस बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया। प्रदर्शन के दौरान उनका राष्ट्रध्वज कथित तौर पर उल्टा पकड़े हुए नजर आने का दावा सामने आया। इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली और सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई।अनुच्छेद 370 की बरसी पर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई। जम्मू-कश्मीर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती और निगरानी बढ़ाई गई। इसी बीच जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा को भी एक दिन के लिए स्थगित किया गया। हालांकि, प्रशासन ने यात्रा स्थगित करने का आधिकारिक कारण नहीं बताया, लेकिन इसे सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है। सात साल बाद अनुच्छेद 370 का मुद्दा जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अब भी बेहद संवेदनशील बना हुआ है। एक तरफ केंद्र सरकार इस फैसले के बाद विकास और सुरक्षा में बदलाव का दावा करती है, तो दूसरी तरफ क्षेत्रीय दल इसके राजनीतिक और संवैधानिक प्रभावों पर सवाल उठाते हैं।

महाराष्ट्र में MARD डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

महाराष्ट्र में होम्योपैथी डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन को लेकर विवाद गहरा गया है। महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स यानी MARD ने 5 अगस्त से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल यानी MMC में होम्योपैथी डॉक्टरों को रजिस्ट्रेशन देने के राज्य सरकार के फैसले का विरोध कर रहा है। डॉक्टरों की इस हड़ताल से राज्य के कई सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।MARD के आह्वान के बाद मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई प्रमुख सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। मुंबई के KEM, सायन, नायर और JJ अस्पताल जैसे बड़े अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इन अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टर स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ऐसे में उनकी हड़ताल से ओपीडी, इमरजेंसी, वार्ड और अन्य चिकित्सा सेवाओं पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

Meta पर सख्त सरकार

'सेफ हार्बर' खत्म करने की संसदीय समिति की चेतावनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेसबुक पोस्ट को अस्थायी रूप से रोके जाने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर AI से तैयार आपत्तिजनक सामग्री को लेकर केंद्र सरकार ने टेक कंपनी Meta के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। संचार और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी संसदीय समिति ने Meta को चेतावनी दी है कि भारतीय कानूनों का उल्लंघन करने की स्थिति में कंपनी को मिलने वाली 'सेफ हार्बर' सुरक्षा वापस ली जा सकती है।'सेफ हार्बर' के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यूजर्स की ओर से पोस्ट की गई सामग्री के लिए कुछ कानूनी सुरक्षा मिलती है। हालांकि, यह सुरक्षा कुछ शर्तों के साथ जुड़ी होती है और प्लेटफॉर्म को भारत के लागू कानूनों और निर्धारित नियमों का पालन करना होता है। संसदीय समिति ने इसी व्यवस्था को लेकर Meta को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय कानूनों का पालन नहीं करने पर कंपनी को कानूनी संरक्षण से वंचित किया जा सकता है।यह मामला उस समय ज्यादा चर्चा में आया जब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेसबुक पोस्ट को कथित तौर पर अस्थायी रूप से रोके जाने का मुद्दा सामने आया। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर AI-जनरेटेड आपत्तिजनक सामग्री और बच्चों तथा महिलाओं से जुड़े कंटेंट को लेकर भी सरकार की चिंता बढ़ी है। सरकार चाहती है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री के खिलाफ प्रभावी निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत हो।इस मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय यानी MeitY की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने Meta के शीर्ष वैश्विक अधिकारियों को तलब किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, Meta की वैश्विक टीम 5 और 6 अगस्त को सरकारी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक करने वाली है। इन बैठकों में भारत में कंपनी के संचालन, कंटेंट मॉडरेशन और कानूनों के अनुपालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

लाल सागर में फिर बढ़ा तनाव

हूतियों ने सऊदी तेल टैंकर पर किया मिसाइल हमला

लाल सागर में हूती हमलों से समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।सऊदी तेल टैंकर और भारतीय मालवाहक जहाज को निशाना बनाए जाने से तनाव और गहरा गया है।लगातार हमलों का असर वैश्विक व्यापार, तेल की कीमतों और शिपिंग लागत पर पड़ सकता है।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच लाल सागर और होर्मुज की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के एक बड़े तेल टैंकर को निशाना बनाने का दावा किया है। हूती समूह के मुताबिक, उत्तरी लाल सागर में यानबू तट के पास सऊदी तेल टैंकर 'वफा' पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं।न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हूती समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने वीडियो संदेश जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने दावा किया कि यह हमला 22 जुलाई से शुरू की गई कथित समुद्री नाकेबंदी के तहत किया गया। हूतियों का कहना है कि पिछले 13 दिनों में यह आठवां जहाज है, जिसे उन्होंने निशाना बनाया है। इन घटनाओं ने लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सऊदी तेल टैंकर पर हुआ यह हमला उस घटना के ठीक एक दिन बाद सामने आया, जब यमन के तट के पास हूती विद्रोहियों ने एक भारतीय मालवाहक जहाज को निशाना बनाया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 'एमएसवी फैज नूर ओलिया' नाम का भारतीय जहाज मिसाइल और विस्फोटक से भरी एक बोट के हमले के बाद समुद्र में डूब गया। जहाज पर 13 भारतीय नागरिकों समेत कुल 14 क्रू सदस्य सवार थे। राहत की बात यह रही कि यमन के अधिकारियों और बचाव दल की मदद से सभी नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया गया।भारतीय जहाज पर हुए हमले के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने इसकी कड़ी निंदा की। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं है और ऐसी घटनाओं पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। भारत ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग के लिए यमन प्रशासन का भी आभार जताया।यमन के विदेश मंत्रालय ने भी व्यापारिक जहाज पर हमले को अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों का उल्लंघन बताते हुए हूती विद्रोहियों की आलोचना की है। लगातार सामने आ रही घटनाओं से लाल सागर में समुद्री यातायात और वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।लाल सागर दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। यहां तनाव बढ़ने पर जहाजों को वैकल्पिक लंबे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ सकता है, जिससे समय और परिवहन लागत बढ़ सकती है। इसका असर कच्चे तेल की कीमतों और समुद्री माल ढुलाई पर भी पड़ सकता है। ऐसे में मिडिल ईस्ट का यह तनाव केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है।

चीन और पाकिस्तान के बीच सीपीईसी को लेकर बढ़ गया तनाव

चीन के इनकार के बाद पाकिस्तान खुद काराकोरम हाईवे रीअलाइनमेंट प्रोजेक्ट की फंडिंग पर विचार कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का बजट 1.8 अरब डॉलर है। इसको चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) के अंतर्गत बनाया जाना था। लेकिन, बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए चीन ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। उसने सीपीईसी में और अधिक निवेश से इनकार किया है, जब तक पाकिस्तान सुरक्षा की स्थिति को सुधारता नहीं है। CNN-News18 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान काराकोरम हाईवे (KKH) रीअलाइनमेंट प्रोजेक्ट के लिए घरेलू कॉन्ट्रैक्टर्स को बोली लगाने की इजाजत देने पर विचार कर रहा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब पाकिस्तान मौजूदा हाइवे के 280 किलोमीटर के हिस्से के डायमर-भाशा बांध के जलाशय में डूबने से पहले एक वैकल्पिक रास्ता पूरा करने की जल्दी में है। डायमर-भाशा पाकिस्तान में सिंधु नदी पर स्थित एक विशाल और बहुउद्देश्यीय जलविद्युत परियोजना है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान चीन के साथ मौजूदा सरकार-से-सरकार (G 2 G) फ्रेमवर्क में बदलाव करने की योजना बना रहा है, जो अभी बोली लगाने की प्रक्रिया को चीन की तीन सरकारी कंपनियों तक ही सीमित रखता है। पाकिस्तान चाहता है कि काम में तेजी लाने के लिए पाकिस्तान की प्रमुख कंस्ट्रक्शन कंपनियों को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की इजाजत दी जाए। CNN-News18 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान काराकोरम हाईवे (K K H) रीअलाइनमेंट प्रोजेक्ट के लिए घरेलू कॉन्ट्रैक्टर्स को बोली लगाने की इजाजत देने पर विचार कर रहा है।

Gujarat University को मिली UGC Category II

एकमात्र ऐसी स्टेट यूनिवर्सिटी बन गई

उत्तर भारत के 12 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

देशभर में मानसून एक बार फिर से रौद्र रूप दिखाने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने उत्तर भारत के 12 राज्यों समेत कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और मैदानी इलाकों में जलभराव की आशंका जताई गई है। ऐसे में अगर आप 6 अगस्त को यात्रा की योजना बना रहे हैं तो घर से निकलने से पहले मौसम का ताजा अपडेट जरूर पढ़ लें।ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण और सक्रिय मानसूनी ट्रफ के कारण उत्तर, पूर्व, मध्य और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेज बनी रहेंगी। पूर्वी भारत में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है, जबकि हिमालयी राज्यों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 6 अगस्त को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। कई इलाकों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार के सीमांचल क्षेत्र, उत्तराखंड और हिमाचल के पर्वतीय जिले, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब के कुछ हिस्से तथा पश्चिम बंगाल और झारखंड के कई जिलों में भारी बारिश के साथ तेज आंधी और बिजली गिरने का खतरा बना हुआ है। लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम विभाग की एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी गई है। दिल्ली (6 अगस्त- भारी बारिश और आंधी का अलर्ट): राजधानी में पूरे दिन बादल छाए रहने के साथ कई दौर की बारिश और गरज-चमक की संभावना है। कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

गाजा में जारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों को झटका

गाजा में जारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों को झटका लगा है। दरअसल, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कह दिया है कि इजरायल, गाजा में अपनी मौजूदा जगहों से तब तक पीछे नहीं हटने वाला है जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं डाल देता। इसके बाद, नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप के हालिया ऐलान पर भी अपनी असहमति जताई। नेतन्याहू के हाल के बयानों से हमास के हथियार छोड़ने वाली डील पर और संदेह पैदा हो गया है, जिसे जंग खत्म करने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा था। इसके साथ ही, इससे अमेरिकी प्रशासन के साथ नेतन्याहू के मतभेद भी खुलकर सामने आ गए हैं। इस डील के तहत हमास के हथियार छोड़ने का प्रोसेस शुरू होना था और इजरायल को हमले रोककर गाजा के उस 60 प्रतिशत भाग से पीछे हटना शुरू करना था, जिसके ऊपर अभी वो काबिज है। यह डील अक्टूबर में हुई उस सीजफायर डील पर आधारित था, जिसने बड़े मिलिट्री ऑपरेशंस को खत्म किया और गाजा में किडनैप किए गए बाकी लोगों की रिहाई सुनिश्चित की, लेकिन अन्य मोर्चों पर यह डील आगे नहीं बढ़ पाई। बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि हमास के हथियार छोड़ने का काम सबसे पहले हो जाना चाहिए। इजरायली फौज अपने इलाके और अपने नागरिकों की सिक्योरिटी के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करती रहेगी। ट्रंप प्रशासन ने हमें एक ड्राफ्ट भेजा था। उससे हम सहमत नहीं थे। वह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। हमने अपनी राय भेजी, वही हमारा रुख है: बेंजामिन नेतन्याहू

भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूती:

विदेश सचिव मिसरी ने शीर्ष नेतृत्व से की अहम मुलाकात

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने भारत की मदद से द्वीप देश में चल रहे विकास कार्यों सहित प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा भी की। ये बैठकें उनके एक दिवसीय दौरे का हिस्सा थीं, जिसका मकसद दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करना था। मिसरी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की, विदेश मंत्री विजिता हेरथ से मिले और अपनी श्रीलंकाई समकक्ष अरुनी रनराजा के साथ भी बातचीत की। उनकी प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मुलाकात होनी थी, क्योंकि यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच नियमित उच्च-स्तरीय बातचीत को आगे बढ़ाने वाला था। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग के अनुसार, राष्ट्रपति दिसानायके के साथ मिसरी की बातचीत आपसी हित के मुद्दों और श्रीलंका में भारत की मदद से चल रही विकास परियोजनाओं सहित अहम द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा पर केंद्रित थी। मिशन ने बताया कि बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारतीय रुपये (INR) में तय 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) के समझौतों का आदान-प्रदान किया। यह राशि चक्रवात 'दितवाह' के बाद भारत द्वारा दिए गए 450

मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज का हिस्सा है। उच्चायोग ने कहा कि ये लाइन ऑफ क्रेडिट चक्रवात के बाद पैदा हुई पुनर्निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और खरीद संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी"। विदेश मंत्री हेरथ के साथ बैठक के दौरान, मिसरी ने अहम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की। भारतीय मिशन ने बताया कि राणाराजा के साथ बातचीत में उन्होंने "आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों, और करीबी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।मिशन ने यह भी कहा कि मिस्री ने भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' और 'विज़न महासागर' को आगे बढ़ाने में श्रीलंका की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया। इससे पहले, हवाई अड्डे पर भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा और श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। भारतीय उच्चायोग ने कहा, "भारत और श्रीलंका के बीच नियमित उच्च-स्तरीय बातचीत को आगे बढ़ाते हुए, यह दौरा दोनों देशों के बीच करीबी द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूत करेगा और अहम पहलों को गति देगा। इस दौरे के दौरान भारत और श्रीलंका ने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, और चक्रवात 'डिटवाह' से जुड़े क्रेडिट समझौतों के आदान-प्रदान के ज़रिए विकास और पुनर्निर्माण में मदद की दिशा में आगे बढ़े।

संपादक की कलम से

मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं रह गया है। लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों ने वैश्विक समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। सऊदी तेल टैंकर और भारतीय मालवाहक जहाज को निशाना बनाए जाने की खबरों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हालात बेहद संवेदनशील हैं।लाल सागर दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। यहां अस्थिरता बढ़ने का सीधा असर जहाजों की आवाजाही, माल ढुलाई और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। यदि जहाजों को सुरक्षित मार्ग के लिए लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ा, तो परिवहन समय और लागत दोनों बढ़ेंगे। इसका असर अंततः वैश्विक बाजार और आम उपभोक्ता तक पहुंच सकता है।सबसे गंभीर चिंता कच्चे तेल की कीमतों को लेकर है। मध्य पूर्व दुनिया के लिए ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां किसी भी बड़े व्यवधान की आशंका बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकती है। तेल महंगा होने पर पेट्रोल-डीजल से लेकर परिवहन और कई जरूरी वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है।भारत के लिए भी लाल सागर की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय व्यापारिक जहाज और बड़ी संख्या में भारतीय नाविक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री व्यापार की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी।जरूरत इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। समुद्री मार्गों को संघर्ष का मैदान बनने से रोकना सभी पक्षों की जिम्मेदारी है। सैन्य तनाव बढ़ाने के बजाय कूटनीतिक संवाद और क्षेत्रीय सहयोग के जरिए समाधान तलाशना ही बेहतर रास्ता है। लाल सागर का संकट केवल एक समुद्री मार्ग का संकट नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता से जुड़ा सवाल है।

GenZ प्रदर्शनकारियों के समर्थन में राहुल गांधी बोले- युवाओं ने संविधान और भारत के भविष्य की रक्षा की

राहुल गांधी ने GenZ प्रदर्शनकारियों के समर्थन में सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने छात्रों पर लाठीचार्ज, मारपीट और दबाव बनाने के आरोप लगाए। राहुल ने पेपर लीक रोकने और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को GenZ के मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदर्शनकारी छात्रों और युवाओं का समर्थन किया। इस दौरान उनके साथ कुछ ऐसे युवा भी मौजूद रहे, जिन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर और मुंबई में प्रदर्शन किया था। राहुल गांधी ने कहा कि इन युवाओं ने मीडिया के सामने आकर अपनी बात रखने का साहस दिखाया है और लोकतंत्र के लिए आवाज उठाने वाले युवाओं पर उन्हें गर्व है।राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि युवाओं ने हिंसा नहीं की और न ही वे आक्रामक थे, इसके बावजूद उन पर लाठीचार्ज किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। राहुल गांधी के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारियों ने उनसे बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें पीटा गया और धमकाया गया।राहुल गांधी ने कहा कि देश के हजारों युवाओं ने जिस तरह अपनी आवाज उठाई है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने संविधान का बचाव किया है, भारत के विचार की रक्षा की है और देश के भविष्य को सुरक्षित करने की कोशिश की है।शिक्षा व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों का सिस्टम पर सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर शिक्षा व्यवस्था में खामियां हैं, वह ठीक से काम नहीं कर रही है या उसमें सुधार की जरूरत है, तो युवाओं को अपनी शिकायत रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्र भी इसी तरह की मांग कर रहे थे।राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर दबाव बनाया गया और महिला प्रदर्शनकारियों के घर कथित तौर पर गुंडे भेजे गए। उन्होंने 15 साल की एक लड़की से कथित तौर पर जबरदस्ती माफी मंगवाए जाने के मामले को भी अनुचित बताया। राहुल ने कहा कि ऐसी कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा कि विपक्ष ऐसा शिक्षा तंत्र चाहता है, जो छात्रों के भविष्य के साथ न्याय करे। परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं को रोकना जरूरी है और देश के युवाओं के भविष्य का सम्मान तथा सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान जब राहुल गांधी से घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़े सवाल पूछे गए, तो वह इस सवाल का सीधा जवाब देने से बचते नजर आए। ऐसे में राहुल गांधी के बयान ने GenZ प्रदर्शन और शिक्षा व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है।

JPSC-JSSC परीक्षा विवाद पर छात्रों के साथ बातचीत को तैयार हेमंत सोरेन , बोले- मांगों पर होगा गंभीरता से विचार

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि सरकार भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के साथ बातचीत के लिए तैयार है और भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए सोरेन ने कहा कि कई लोगों को पहले ही गिरफ़्तार करके जेल भेजा जा चुका है और जांच एजेंसियां कई जगहों पर छापेमारी कर रही हैं। कुल मिलाकर, एजेंसियां इस मामले पर पूरी लगन और असरदार तरीके से काम कर रही हैं, और मुझे यकीन है कि हम किसी ठोस समाधान की ओर बढ़ेंगे। मैंने अभी तक गृह मंत्री से बात नहीं की है, लेकिन अगर ज़रूरत पड़ी, तो मैं उनसे इस मामले पर चर्चा करूंगा। सोरेन ने आगे कहा कि सरकार के दरवाज़े सभी के लिए खुले हैं। जिनकी भी कोई मांग है, वे आगे आकर अपनी बात रख सकते हैं। हमें इन मुद्दों के बारे में पहले से ही कुछ जानकारी है, और अगर वे अपनी बात रखते हैं, तो सरकार निश्चित रूप से उस पर गंभीरता से विचार करेगी। इसी दिन, झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC), झारखंड कर्मचारी चयन आयोग कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (JSSC CGL) और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ़ विरोध कर रहे उम्मीदवारों के प्रति अपना समर्थन जताया। JMM के महासचिव और राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद पांडे ने कहा कि JMM उम्मीदवारों के विरोध में उनके साथ है... हमें उनकी मांगों के बारे में पता है। सरकार एक-दो दिनों में एक हाई-लेवल कमिटी बनाएगी। सबूतों के आधार पर 2-3 दिनों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। 5 जुलाई को 14वीं JPSC सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित होने के बाद विरोध-प्रदर्शन शुरू हुए, जिसमें उम्मीदवारों ने भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया। तब से, छात्र पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हुए लगातार विरोध-प्रदर्शन और अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। बुधवार को छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि वे विरोध कर रहे छात्रों के समर्थन में खाना नहीं खाएंगे, लेकिन पानी पीते रहेंगे। अपनी भूख हड़ताल को कम करने का यह फ़ैसला एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की अपील के बाद लिया गया, जिन्होंने छात्रों के आंदोलन को लगातार समर्थन देने का भरोसा दिलाया था।

उदयनिधि स्टालिन का सरकार पर हमला बोले- किसानों की आवाज दबाने की कोशिश

तमिलनाडु में डीएमके नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने हिरासत से रिहा होने के बाद राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाषण का 'कट-एंड-पेस्ट' संस्करण फैलाया गया और उसी के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के मुद्दों पर होने वाली बहस को दबाना चाहती है, लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं। उदयनिधि ने बताया कि रविवार को तंजावुर में किसानों के समर्थन में हुए प्रदर्शन में उन्होंने भाषण दिया था। उनके मुताबिक, इस प्रदर्शन और भाषण को किसानों का अच्छा समर्थन मिला, जिससे यह मुद्दा तेजी से चर्चा में आ गया। बता दें कि उदयनिधि को हाईकोर्ट के निर्देश के बाद रिहा कर दिया गया।उदयनिधि ने आरोप लगाया कि अगले दिन विधानसभा का सत्र शुरू होना था, जहां विपक्ष किसानों के मुद्दे उठाने वाला था। इसी वजह से सरकार ने ध्यान भटकाने और बहस रोकने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि सोमवार सुबह उनके भाषण का एडिटेड वीडियो प्रसारित किया गया और यह झूठा दावा किया गया कि उन्होंने ऐसी बातें कही हैं, जो उन्होंने कभी नहीं कहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि यही संपादित वीडियो राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों तक भी पहुंचाया गया और उसी के आधार पर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आई। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस का पूरा सहयोग किया और बिना किसी विरोध के उनके साथ चले गए। उन्होंने कहा,'मैंने गिरफ्तारी के समय भी पत्रकारों से कहा था कि यह पूरा घटनाक्रम हास्यास्पद है। मुझे उन शब्दों के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है, जो मैंने कभी कहे ही नहीं।' उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि सरकार उन्हें चुप कराना और डराना चाहती है, लेकिन वह इससे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कलाईनार एम. करुणानिधि का पोता, एम.के. स्टालिन का बेटा और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का सदस्य हूं। हम ऐसी कार्रवाइयों से डरने वाले नहीं हैं। मैं इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं।' उदयनिधि ने डबल मीनिंग वाले बयान देने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपमानजनक या गलत टिप्पणी नहीं की। उदयनिधि ने कहा,'मुझे सिर्फ किसानों के समर्थन में बोलने के कारण गिरफ्तार किया गया है। मेरे बयान का केवल एक ही अर्थ था। उसमें कोई दोहरा मतलब नहीं था।' डीएमके नेता ने राज्य सरकार को 'सर्कस' बताते हुए कहा कि सरकार डीएमके विधायकों को देखते ही उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि अब वह पार्टी नेतृत्व से मिलेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उदयनिधि ने कहा कि अपने लगभग 25 मिनट के भाषण में उन्होंने बताया था कि मौजूदा सरकार ने सत्ता में आने के बाद किसानों के साथ किए गए वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने कर्नाटक की मेकेदातु बांध परियोजना का भी मुद्दा उठाया। उदयनिधि का कहना था कि कर्नाटक सरकार बांध निर्माण के लिए आगे बढ़ रही है, जबकि तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का पानी भी नहीं छोड़ा जा रहा है।

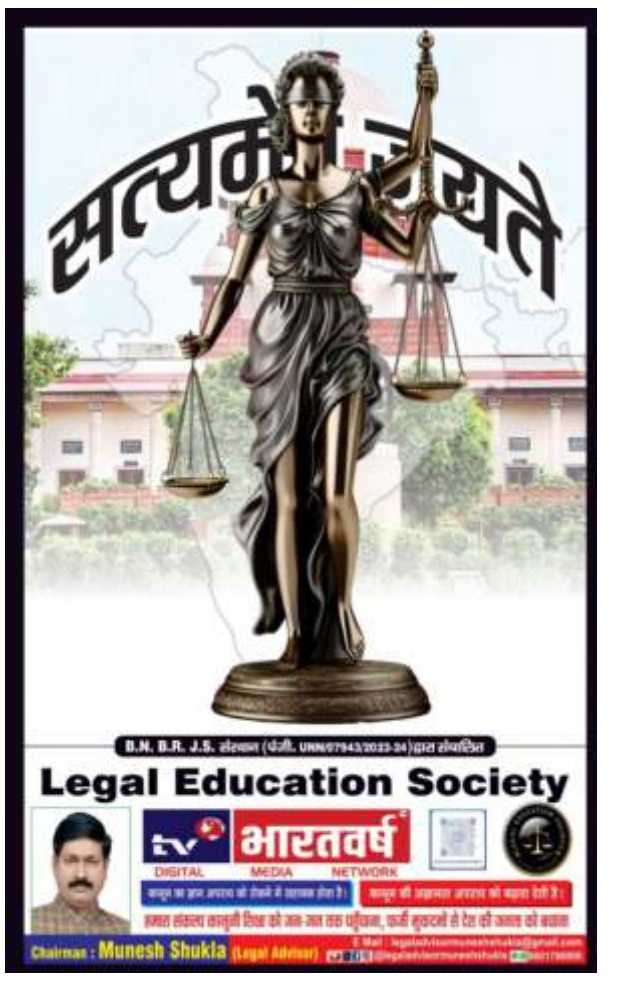

IIT-ISM धनबाद का शानदार प्लेसमेंट ₹1.22 करोड़ का पैकेज; CSE छात्रों को सबसे ज्यादा ऑफर

देशभर में इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन का दौर चल रहा है। ऐसे में छात्र और अभिभावक संस्थान चुनते समय पढ़ाई के साथ-साथ प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी काफी महत्व देते हैं। इसी बीच IIT (ISM) धनबाद ने अपने 2025-26 प्लेसमेंट सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान सबसे अधिक सालाना पैकेज ₹1.22 करोड़ रहा, जबकि औसत CTC करीब ₹17.6 लाख रहा।IIT (ISM) धनबाद में कैंपस प्लेसमेंट के साथ छात्रों को पढ़ाई के दौरान इंडस्ट्री का अनुभव लेने के भी अवसर मिलते हैं। संस्थान के BTech छात्र आम तौर पर दूसरे और तीसरे वर्ष से इंटर्नशिप के जरिए व्यावहारिक अनुभव हासिल करना शुरू कर देते हैं। BTech छात्रों के लिए इंटर्नशिप सामान्य तौर पर 8 से 10 सप्ताह की होती है। वहीं, इंटीग्रेटेड MTech के छात्र अपने पाठ्यक्रम के अनुसार छह महीने तक की इंटर्नशिप कर सकते हैं।इस साल इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट ऑफर के आंकड़े भी खास रहे। संस्थान के अनुसार कुल 492 छात्रों को इंटर्नशिप ऑफर मिले। इनमें से 234 छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप में प्रदर्शन के आधार पर

प्री-प्लेसमेंट ऑफर यानी P P O हासिल किए। इसका मतलब है कि इन छात्रों को डिग्री पूरी होने से पहले ही फुल-टाइम नौकरी का अवसर मिल गया।ब्रांच के हिसाब से देखें तो कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग यानी CSE का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। C S E से कुल 143 छात्र प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल हुए, जिनमें 124 BTech और 19 MTech छात्र थे। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग यानी ECE से 111 छात्रों ने प्लेसमेंट में हिस्सा लिया। इनमें 98 BTech, 11 MTech और दो डुअल डिग्री छात्र शामिल थे।इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से 95 छात्रों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा लिया। इनमें 83 BTech, 10 MTech, एक डुअल डिग्री और एक डबल मेजर छात्र शामिल था। इंजीनियरिंग फिजिक्स से 21 छात्रों ने प्लेसमेंट में हिस्सा लिया, जिनमें नौ BTech और 12 MSc छात्र थे।संस्थान के अनुसार, छात्रों को रिसर्च, डिफेंस, टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और ई-कॉमर्स जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर मिले। खास बात यह भी रही कि 16 से अधिक छात्रों को इंटरनेशनल ऑफर प्राप्त हुए।IIT-ISM धनबाद के प्लेसमेंट आंकड़े बताते हैं कि इंजीनियरिंग की कई शाखाओं में करियर के अवसर मौजूद हैं, लेकिन CSE ने नौकरी के ऑफर के मामले में सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। ₹1.22 करोड़ के उच्चतम पैकेज और ₹17.6 लाख के औसत CTC ने संस्थान के प्लेसमेंट प्रदर्शन को और खास बना दिया है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में बिना मंजूरी फीस बढ़ाने वाले प्राइवेट स्कूलों पर कार्रवाई की गई है

प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने को लेकर सख्त कार्रवाई की गई है। 7 स्कूलों पर ₹1-1 लाख का जुर्माना लगाया है।जिला फीस रेगुलेटरी कमेटी ने पाया कि इन स्कूलों ने 2026–27 एकेडमिक सेशन के लिए तय सीमा से ज्यादा फीस बढ़ाई थी और फीस से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया था। प्रशासन की इस कार्रवाई को उन माता-पिता के लिए बड़ी राहत है, जिन्होंने फीस में भारी बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई थी।अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने सात प्राइवेट स्कूलों पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन स्कूलों पर 'उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनांस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फी रेगुलेशन) एक्ट' के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। इन्होंने तय सीमा से ज्यादा फीस बढ़ाई या बिना मंजूरी के चार्ज लगाए।आधिकारिक बयान के अनुसार, यह फैसला जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम की अध्यक्षता में जिला फीस रेगुलेटरी कमेटी की बैठक में लिया गया। कमेटी ने 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए प्राइवेट स्कूलों द्वारा प्रस्तावित फीस बढ़ोतरी की समीक्षा की और एक्ट के नियमों के पालन की जांच की। समीक्षा में पाया गया कि 6 स्कूलों ने 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए 7.23 प्रतिशत की अधिकतम तय सीमा से ज्यादा फीस बढ़ाई थी। अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 21 के 1 अन्य स्कूल ने कम्पोजिट फीस के अलावा अलग से सालाना फीस भी ली थी और 2025-26 एकेडमिक सेशन के लिए अपना फीस स्ट्रक्चर अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया था।

र. प्रज्ञानानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 में से 12 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया

भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना 19 अगस्त को होगा

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (PHF) ने 5 अगस्त को FIH मेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए 20 सदस्यों वाली टीम और मैनेजमेंट का ऐलान किया है। यह टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड्स के एम्स्टेलवीन और बेल्जियम में खेला जाएगा। इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने के बाद, पाकिस्तान की टीम अब वर्ल्ड लेवल के इस सबसे बड़े हॉकी मंच पर मुकाबला करने के लिए तैयार है। हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम में अनुभवी इंटरनेशनल प्लेयर्स और युवा खिलाड़ी शामिल है। इस वर्ल्ड कप में 19 अगस्त को भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना होगा।हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा अनुभवी मिडफील्डर अम्माद बट को कप्तान पद से हटाए जाने के लगभग एक हफ्ते बाद हुई है। वह पिछले 14 सालों से टीम की कमान संभाल रहे थे। पीएचएफ (PHF) ने 29 जुलाई को जारी एक बयान में बताया कि अपनी व्यावसायिक विकास समिति की सलाह पर उन्होंने अबू बकर को पाकिस्तान नेशनल हॉकी टीम का नया कप्तान बनाया है। उस समय, पीएचएफ (PHF) ने नेशनल टीम के प्रति अम्माद बट के योगदान और समर्पण की सराहना की थी। साथ ही महासंघ ने यह भी कहा कि वे एक सीनियर

खिलाड़ी के रूप में पाकिस्तान टीम का हिस्सा बने रहेंगे। महासंघ ने भरोसा जताया कि अबू बकर की कप्तानी में, सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव और युवा सदस्यों के साथ मिलकर यह टीम एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के रूप में आगे बढ़ेगी। हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की 20 सदस्यीय टीम: वकार, मुहम्मद अब्दुल्ला, मुहम्मद सुफियान खान, मोइन शकील, अब्दुल वहीद अशरफ राणा, अब्दुल हनान शाहिद, जकारिया हयात, अरशद लियाकत, आदिल लतीफ, अहमद नदीम, गजनफर अली, इमाद शकील बट, मुहम्मद हमादुद्दीन अंजुम, रहमान अब्दुल, अफराज, उमर मुस्तफा, अबू बकर महमूद, अली रजा, अब्दुल मटन और मुहम्मद इमाद शामिल हैं।

मोहम्मद कैफ ने चयनकर्ताओं को लेकर किया बड़ा दावा

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारतीय टीम का हिस्सा रहेंगे या नहीं, इसको लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। इंग्लैंड सीरीज के दौरान खबरें आई थीं कि चयनकर्ताओं ने रोहित को बता दिया है कि यह उनकी आखिरी सीरीज होगी। लेकिन लॉर्ड्स में शतक लगाकर रोहित ने आलोचकों को करारा जवाब दिया। लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ 138 रनों की धमाकेदार पारी खेली और वे इस मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने। अपनी इस पारी से रोहित शर्मा ने साफ कर दिया कि वे अब कहीं नहीं जा रहे और वर्ल्ड कप 2027 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शतक के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एक बड़ा दावा किया है। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि रोहित शर्मा ने अपने खेलने के रवैये से बीसीसीआई चयनकर्ताओं को एक सीधा और सख्त मैसेज भेज दिया है। कैफ ने कहा, "एक बात पूरी तरह साफ हो गई है। रोहित शर्मा का सीधा सा संदेश है, अगर मैं अच्छा नहीं खेल रहा हूं, तो आप खुद फैसला लीजिए और मुझे ड्रॉप कर दीजिए। उनका खुद से संन्यास न लेना, मैदान पर दिख रहा उत्साह और जिस आक्रामक अंदाज में उन्होंने लॉर्ड्स में शतक जमाया, उससे साफ है कि उनका पूरा ध्यान केवल खेलने पर है। इसके बाद चयनकर्ताओं को जो करना है, वह उनका फैसला है।" उन्होंने आगे कहा, "कई बार कोचिंग स्टाफ के सदस्य कहते हैं कि हमने रोहित को उनका स्वाभाविक खेल खेलने की पूरी आजादी दी है। लेकिन अभी तक किसी ने भी सार्वजनिक रूप से खुलकर यह नहीं कहा है कि रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप के लिए हमारी योजनाओं का हिस्सा हैं। ऐसा बयान आना बेहद जरूरी है। फॉर्म में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन मैनेजमेंट को उनके पीछे मजबूती से खड़े होने की बात कहनी होगी।"कैफ ने कहा, "हम बाहर बैठकर नहीं जान सकते कि अंदर क्या चल रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने अब यह मन बना लिया है कि वह खुद पीछे नहीं हटने वाले हैं।"

ODI World Cup 2027 को लेकर बड़ा अपडेट

वनडे विश्व कप अगले साल खेला जाएगा, लेकिन आईसीसी लगातार इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। अब खबर है कि वनडे विश्व कप में कौन कौन सी टीमें खेलेंगी, इसके लिए जो क्वालीफायर खेला जाएगा, उसकी तारीखें सामने आ चुकी हैं। आईसीसी ने तय है कि फरवरी से लेकर मार्च तक इसके मैच खेले जाएंगे। आईसीसी पहले ही इसके फॉर्मेट का ऐलान कर चुका है। जो काफी रोचक है। हालांकि क्वालीफायर मैच कहां होंगे, इसको लेकर अभी निर्णय नहीं लिया जा सका है। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप 2027 की तैयारियों जोरों पर हैं।पता चला है कि इसके लिए क्वालीफायर मैच 22 फरवरी से लेकर 23 मार्च तक यानी करीब एक महीने तक खेले जाएंगे। इसके बाद पता चल जाएगा कि वो टीमें कौन सी होंगी, जो विश्व कप में अपनी हिस्सेदारी करेंगी। वैसे तो अभी विश्व कप की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि ये टूनमिंट चार अक्टूबर से

लेकर 11 नवंबर तक खेला जाएगा। इस बार का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। यहां के कुल 12 स्टेडियम में मैच होंगे। जहां तक क्वालीफिकेशन के लिए जो फॉर्मेट होगा, उसकी बात की जाए तो इसमें कुल मिलाकर 10 टीमें हिस्सा लेंगी। जो भी टीमें इसे जीतेंगी, वो सीधे 14 देशों के बीच होने वाले वनडे विश्व कप खेलने के लिए एंट्री कर जाएंगी। यहां दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर जो टीमें रहेंगी, उनके बीच सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी। यहां जो टीम टॉप पर रहेगी, वो 12 टीमों का हिस्सा होगी और विश्व कप में आगे जाएगी। हालांकि सुपर सीरीज भी विश्व कप का ही एक भाग होगी। अब सवाल ये है कि 10 टीमों का क्वालीफायर कौन कौन खेलेगा। आईसीसी ने तय किया है कि आईसीसी वनडे रैंकिंग में जो टीमें 30 सितंबर 2026 तक टॉप 8 में रहेंगी, वो तो सीधे क्वालीफाई कर जाएंगी। नीचे की जो दो टीमें होंगी, उन्हें क्वालीफायर खेलना होगा। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीमें मेजबान होने के नाते पहले ही अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं।

वजह जानकर लोग बोले- इन्हें जज मत करो

न्यूज पढ़ते-पढ़ते सो गईं एंकर

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक न्यूज एंकर लाइव बुलेटिन के दौरान कुछ सेकंड के लिए ऊंघती हुई नजर आती हैं.

कैमरे में कैद हुआ यह छोटा सा पल देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया. शुरुआत में लोगों को लगा कि अब एंकर को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जाएगा, लेकिन इस बार तस्वीर बिल्कुल अलग देखने को मिली. लोगों ने उनका मजाक उड़ाने के बजाय उनका समर्थन किया और कहा कि किसी भी इंसान को उसकी एक छोटी सी गलती के आधार पर जज नहीं करना चाहिए. यह वीडियो अमेरिका के मेम्फिस शहर के FOX13 न्यूज चैनल का है. वीडियो में दिखाई देने वाली एंकर का नाम डोमिनिक डिलन है. वह लाइव न्यूज बुलेटिन पढ़ रही थीं. इसी दौरान कुछ सेकंड के लिए उनकी आंखें बंद हो गईं और ऐसा लगा जैसे उन्हें हल्की सी झपकी आ गई हो. यह पूरा पल कैमरे में रिकॉर्ड हो गया और बाद में इसकी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. लाखों लोगों ने इस वीडियो को देखा और इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी.

वायरल हुई दिल्ली के युवक की कहानी

पहली डेट पर ₹20,500 का झटका!

पहली डेट हर किसी के लिए खास होती है. लोग उम्मीद करते हैं कि इस मुलाकात में अच्छी बातचीत होगी, एक-दूसरे को जानने का मौका मिलेगा और यादगार पल बनेंगे, लेकिन दिल्ली के एक 23 साल के युवक के साथ ऐसा नहीं हुआ. डेटिंग ऐप पर हुई पहली मुलाकात उसके लिए ऐसा अनुभव बन गई, जिसे वह शायद कभी नहीं भूल पाएगा.

युवक ने अपनी पूरी कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर की. उसने बताया कि पहली डेट पर उसे ₹20,500 का बिल भरना पड़ा. हालांकि उसे पैसों से ज्यादा इस बात का दुख है कि पूरी मुलाकात के दौरान उसे ऐसा महसूस हुआ कि शायद उसके साथ कुछ गलत हुआ है. युवक ने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी एक लड़की से डेटिंग ऐप पर बात शुरू हुई थी. दोनों ने उसी दिन मिलने का फैसला कर लिया.

उसने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह 23 साल का है, कभी किसी रिलेशनशिप में नहीं रहा और लड़कियों के साथ इस तरह की मुलाकात का यह उसका पहला अनुभव था. इसलिए वह काफी उत्साहित भी था और थोड़ा नर्वस भी. उसने सोचा था कि दोनों किसी कैफे में बैठकर बातें करेंगे और एक-दूसरे को जानेंगे. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. युवक के मुताबिक, लड़की उसे मेट्रो स्टेशन से लेकर एक पब में पहुंची. उसने बताया कि वह पहले कभी पब नहीं गया था, इसलिए उसे वहां के माहौल और मेन्यू के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी.

थिएटर में चले लात-घूंसे!

फिल्म का स्पॉइलर सुनते ही मचा बवाल

नई स्पाइडर-मैन फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान कथित तौर पर एक दर्शक ने फिल्म के अहम सीन बताने शुरू कर दिए. वायरल वीडियो में इसके बाद थिएटर के अंदर बहस और धक्का-मुक्की होती दिखाई दे रही है.

अगर आप भी फिल्म देखते समय कोई स्पॉइलर सुनना पसंद नहीं करते, तो यह खबर आपको चौंका सकती है. नई स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक दर्शक ने कथित तौर पर फिल्म के अहम सीन पहले ही बताने शुरू कर दिए.

इसके बाद थिएटर में ऐसा हंगामा हुआ कि मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वायरल एक पोस्ट के मुताबिक, चार दोस्त नई स्पाइडर-मैन फिल्म देखने पहुंचे थे. उनके बगल में बैठा एक युवक पहले ही यह फिल्म देख चुका था और अपनी महिला मित्र को फिल्म के आगे आने वाले सीन और बड़े ट्विस्ट बताने लगा.

पोस्ट में दावा किया गया है कि युवक बार-बार स्पॉइलर देता रहा. इससे आसपास बैठे दूसरे दर्शकों का फिल्म देखने का मजा खराब होने लगा. कुछ देर बाद चारों दोस्तों ने युवक का विरोध किया और उसे ऐसा करने से मना किया. बताया जा रहा है कि पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में थिएटर के अंदर कई लोग एक-दूसरे से बहस करते और हाथापाई करते दिखाई दे रहे हैं. हालांकि, वहां मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया.

सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. कई यूजर्स का कहना है कि फिल्म का स्पॉइलर बताना गलत है, क्योंकि इससे पहली बार फिल्म देखने वाले लोगों का पूरा अनुभव खराब हो जाता है. वहीं कई लोगों ने यह भी कहा कि किसी भी स्थिति में हिंसा सही नहीं मानी जा सकती. कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लोगों से अपील की कि अगर वे कोई फिल्म पहले देख चुके हैं, तो थिएटर के अंदर उसके अहम सीन, क्लाइमैक्स या पोस्ट-क्रेडिट सीन के बारे में दूसरों को न बताएं.

जनरल डिब्बे में पंखा साथ लेकर चढ़ गया शख्स

भारतीय रेल को देश की लाइफलाइन कहा जाता है. हर दिन करोड़ों लोग ट्रेन से सफर करते हैं. लेकिन समय-समय पर रेलवे से जुड़े ऐसे वीडियो भी वायरल होते रहते हैं, जो यात्रियों की लापरवाही और सार्वजनिक संपत्ति के गलत इस्तेमाल पर सवाल खड़े करते हैं. कभी सीट को लेकर मारपीट, कभी सीट का कवर काटने की घटना, तो कभी ट्रेन में आग लगाने जैसी घटनाओं के वीडियो सामने आ चुके हैं.

'मुसाफिर कैफे' रिव्यूः लव स्टोरी को देख होंगे इमोशनल

सपनों की उलझन से सजी खूबसूरत कहानी

सच्चा प्यार मुश्किल से मिलता है. लेकिन जरूरी नहीं वो सच्चा प्यार आपके लिए सही हो'...नेटफ्लिक्स पर आई नई सीरीज 'मुसाफिर कैफे' यहीं दर्द बयां करती है. एक लव स्टोरी, जिसमें विक्रांत मैसी, महिमा मकवाना और वेदिका पिंटो लीड रोल में हैं, इस कहानी में इमोशंस, रोमांस और एंटरटेनमेंट का ऐसा डोज है, जो आपको अलग जर्नी पर लेकर जाता है.

शो दिव्या प्रकाश दुबे की नॉवेल

से इंस्पायर है. जानते हैं कैसी है ये स न... चंदर (विक्रांत मैसी) एक सिंपल लड़का है. पहाड़ों में कैफे खोलना उसका ड्रीम है. शादी, बच्चे कर पहाड़ों पर अपनी लाइफ बिताना चाहता है. चंदर की मां उसकी शादी कराना चाहती है.

उसे लड़कियों से मिलने को भेजती है. इस दौरान उसकी मुलाकात होती है सुधा (वेदिका पिंटो) से. सुधा से मिलने के बाद चंदर की बोरिंग लाइफ में एक्साइटमेंट का तड़का लगता है. सुधा जिंदादिल और बिंदास हैं. वो मोमेंट में जीना पसंद करती है. उसे शादी-बच्चे नहीं करने. उसे करियर में ऊंची उड़ान भरनी है.

ब्राह्मण सम्मेलन में अखिलेश के तीखे तेवर, भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ के प्रबुद्धजन सम्मेलन में अखिलेश यादव ने भाजपा और योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य व्यवस्था, शंकराचार्य विवाद, पीडीए, Gen-Z आंदोलन और राम मंदिर दानपात्र मामले को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन (ब्राह्मण) सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिना नाम लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि "एक डीसीएम ऐसे हैं, जो बिना बरसात के छाता लगाते हैं। कहा जाता है कि उनकी बात एक गार्ड भी नहीं सुनता। जो लोग सच्चाई जानते हैं, उन्हें पता है कि गार्ड की बात कोई गार्ड कैसे सुनेगा।"कार्यक्रम की शुरुआत से पहले अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर समाजवादी विचारक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भीड़ के कारण कुछ देर धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें प्रतिमा स्थल तक पहुंचाया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पीडीए की नई-नई परिभाषाएं गढ़ रही है, जबकि पीडीए में पंडित और पीड़ित सभी शामिल हैं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्ची दोस्ती किसी स्वार्थ पर आधारित नहीं होती और भारतीय संस्कृति इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोला। बिना नाम लिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग को ही इलाज की जरूरत पड़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था बदहाल है और कई मामलों में लापरवाही देखने को मिल रही है। उन्होंने हाल की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जिंदा व्यक्ति को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और जिस मरीज को ऑपरेशन की जरूरत नहीं थी, उसे ऑपरेशन थिएटर में भेज दिया गया।ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए अखिलेश ने भाजपा विधायकों की चर्चित बाटी-चोखा पार्टी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केवल साथ बैठकर भोजन करने पर भी विधायकों को नोटिस दिया गया। साथ ही उन्होंने यूपी पुलिस की दरोगा भर्ती परीक्षा में पूछे गए 'अवसरवादी' से जुड़े प्रश्न का हवाला देते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज का अपमान करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा गया। शंकराचार्य विवाद पर बोलते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता, जब किसी सरकार ने शंकराचार्य को कहीं जाने से रोका हो। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रयागराज में त्रिवेणी स्नान के लिए भी उन्हें रोका गया, धरना देना पड़ा और यहां तक कि पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। युवाओं के आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि Gen-Z ने सरकार की नींद उड़ा दी है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार को आईना दिखाया और आने वाले चुनाव में इसका असर दिखाई देगा। अपने संबोधन के अंत में अखिलेश यादव ने भाजपा पर राम मंदिर दानपात्र मामले को लेकर भी निशाना साधा।

लखनऊ में वाहन चेकिंग के दौरान युवक गिरफ्तार

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार रात वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे पीछा कर पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी चौराहे के पास स्टंटबाजी, मॉडिफाइड साइलेंसर, तीन सवारी और संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान स्वाती अपार्टमेंट की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल सवार युवक पुलिस बैरिकेडिंग देखकर अचानक मुड़ गया। युवक की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस टीम ने उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे दबोच लिया। पकड़े जाने पर युवक ने घबराकर बताया कि वह अवैध तमंचे के कारण भाग रहा था। तलाशी लेने पर उसके पास से .315 बोर का तमंचा, चार कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीष रावत (25) के रूप में हुई है। वह खुर्दही बाजार, बक्कास, थाना सुशांत गोल्फ सिटी का निवासी है। पूछताछ में उसने बताया कि वह बाराबंकी में एक शादी समारोह से लौट रहा था। पुलिस ने आरोपी मनीष रावत के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी ने यह अवैध तमंचा कहां से और क्यों लिया था?

ब्राह्मण सम्मेलन पर ब्रजेश पाठक का सपा पर हमला, बोले– चुनाव आते ही जातियों की याद आती है

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे चुनावी माहौल गर्माने लगा है, नेताओं की जबान और उनके दांव भी तेज होने लगे हैं। इस बार केंद्र में है ब्राह्मण वोटर। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा ब्राह्मणों को साधने के लिए सम्मेलन बुलाने की खबरों पर राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जोरदार हमला बोला है। ब्रजेश पाठक ने साफ शब्दों में कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से सिर्फ जाति-पात और तुष्टिकरण की राजनीति में उलझी रही है। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, सपा को अलग-अलग जातियों की याद आने लगती है, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता और खासकर प्रबुद्ध समाज अब इनके झांसे में आने वाला नहीं है। डिप्टी सीएम ने लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल को लोग आज भी भूले नहीं हैं। उनके कार्यकाल में किस तरह से तुष्टिकरण की नीतियां चलीं और कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ीं, यह बात प्रदेश का बच्चा-बच्चा जानता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस पार्टी का इतिहास ही वर्ग-विशेष को बढ़ावा देने और दूसरों की अनदेखी करने का रहा हो, वह आज किस मुंह से सम्मेलन करने की बात कर रही है। ब्रजेश पाठक ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर काम करती है। हमारी सरकार में हर वर्ग और हर समाज को बिना किसी भेदभाव के सम्मान और बराबरी का मौका मिला है। बीजेपी किसी एक जाति को सिर्फ चुनाव जीतने का जरिया या वोट बैंक नहीं मानती, बल्कि पूरे समाज को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

लखनऊ में छेड़खानी पड़ी भारी, महिला ने डेढ़ मिनट में 35 से ज्यादा चप्पल जड़ीं

लखनऊ में छेड़खानी के विरोध में 38 साल की महिला ने 50 साल के व्यक्ति को डेढ़ मिनट में 35 से ज्यादा चप्पल जड़े। वह भागने लगा तो उसे करीब 500 मीटर तक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मौके पर भीड़ जुट गई। आरोपी ने महिला से हाथ जोड़कर माफी मांगी। इस पर महिला ने उसे माफ कर दिया और पुलिस से शिकायत नहीं की। घटना बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे कैसरबाग थाना क्षेत्र के लालबाग में हुई। घटना का वीडियो सामने आया है। महिला ने बताया कि वह भाई को टिफिन देने जा रही थी। रास्ते में करीब 50 साल के व्यक्ति ने अभद्र टिप्पणी की। इससे उन्हें गुस्सा आ गया और चप्पल निकालकर उसकी पिटाई कर दी। महिला ने बताया कि पिटने के बाद उस व्यक्ति ने माफी मांगी। दोबारा किसी के साथ ऐसी हरकत नहीं करने की चेतावनी देकर उसे छोड़ दिया। महिला ने कहा कि वह अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करना चाहती हैं। लेकिन वह चाहती हैं कि महिलाओं के साथ अभद्रता करने वालों का तत्काल विरोध होना चाहिए। इससे वह दोबारा ऐसी गंदी हरकत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे।

लखनऊ में BCA छात्रा की घर में गला रेतकर हत्या

लखनऊ में बुधवार को BCA छात्रा की उसके ही घर में गला रेतकर हत्या कर दी गई। छात्रा का शव घर के फर्स्ट फ्लोर पर बने कमरे में मिला। छात्रा के शव के पास उसका क्लासमेट भी गंभीर हालत में तड़प रहा था। घटना के समय छात्रा घर पर अकेली थी। हत्या का उस वक्त पता चला, जब छात्रा की बड़ी बहन कॉलेज से लौटकर करीब 3.30 बजे घर आई। बहन की लाश और उसके दोस्त को तड़पता देख उसने पुलिस और परिवारवालों को सूचना दी। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोस्त ने ही सब्जी काटने वाले चाकू से गला रेतकर छात्रा की हत्या की है। घटना पारा इलाके के नरपतखेड़ा की है। छात्रा के माता-पिता बेटी की हत्या की खबर मिलते ही गृह जनपद अमेठी से लखनऊ लौटे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। इसके बाद आरोपी दोस्त को लोकबंधु अस्पताल से इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

लखनऊ में दिनदहाड़े कार सवार परिवार पर हमला

लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक कार सवार परिवार पर हमला किया गया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मामूली कहासुनी के बाद कई बाइक और कारों से आए लोगों ने उनकी गाड़ी को घेरकर ईंट-पत्थर बरसाए और तीन राउंड फायरिंग भी की। हालांकि, पुलिस ने अभी तक गोली चलने की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पंडित खेड़ा गांव निवासी रंजीत यादव ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपनी पत्नी पिंकी और डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ कार से हंसखेड़ा से दुबग्गा स्थित चरक इंस्टीट्यूट जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों से उनकी कहासुनी हो गई। इसके बाद कई बाइक और कारों से आए अज्ञात लोगों ने उनकी कार को घेर लिया और ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। रंजीत यादव के अनुसार, हमलावरों ने तीन राउंड फायरिंग भी की। अपनी जान बचाने के लिए रंजीत ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। इस दौरान उनकी कार तीन बाइकों से टकरा गई। वह किसी तरह बुद्धेश्वर चौराहा पुलिस चौकी पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। पीड़ित रंजीत यादव और उनकी पत्नी पिंकी ने इस दिनदहाड़े हुई घटना पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से अभी तक लिखित तहरीर नहीं मिली है। प्रथम दृष्टया यह मामला सड़क दुर्घटना के बाद हुए विवाद का लग रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में 'पुलिस की पाठशाला' में छात्रों को साइबर सुरक्षा का दिया गया पाठ

उन्नाव के सन-डी-सन पब्लिक इंटर कॉलेज में बुधवार दोपहर को पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन साइबर क्राइम थाना, यातायात पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी यातायात अजय सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने युवाओं को सतर्क रहने की सलाह दी और ऑनलाइन लेनदेन में सावधानी बरतने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और ओटीपी, बैंक खाते व व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने को कहा। साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील भी की गई। साइबर थाना से आए आरक्षी समसुद्दीन और आरक्षी मोनू यादव ने छात्रों को विभिन्न साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी लिंक, ऑनलाइन निवेश और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराधियों के नए तरीकों से बचाव के उपाय भी बताए। मिशन शक्ति अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, आत्मविश्वास, महिला हेल्पलाइन सेवाओं और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में बताया। छात्राओं से कहा गया कि किसी भी समस्या की स्थिति में बिना संकोच पुलिस और हेल्पलाइन सेवाओं से संपर्क करें। यातायात विभाग की ओर से ट्रैफिक इंस्पेक्टर सुनील सिंह, उपनिरीक्षक तिलक और उपनिरीक्षक अनिल सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे में वाहन न चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी। अधिकारियों ने जोर दिया कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। क्षेत्राधिकारी यातायात अजय सिंह और विद्यालय की प्रधानाचार्या तबस्सुम नफ़ीस ने संयुक्त रूप से पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष श्रीवास्तव, प्रभारी परिवार परामर्श समिति, उन्नाव ने किया। विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उन्नाव: छात्रा से स्कूल में लगवाई गई झाड़, वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप

उन्नाव के हिलौली विकासखंड के एक परिषदीय विद्यालय में छात्रा से झाड़ू लगवाने का वीडियो बुधवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला हिलौली ब्लॉक क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पिंडुरी का है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक छात्रा स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए विद्यालय परिसर में झाड़ू लगाती दिखाई दे रही है। छात्रा के हाथों में किताब-कॉपी की जगह झाड़ू दिखाई देने से शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के बजाय उनसे सफाई जैसे कार्य कराना शिक्षा विभाग के निर्देशों के विपरीत है। शासन और विभाग की ओर से पहले भी स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं से किसी प्रकार का श्रम कार्य नहीं कराया जाएगा।

जमीन दिलाने के नाम पर 5 लाख की ठगी, पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र के कुंजपुर गांव की निवासी एक महिला ने जमीन दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये से अधिक की ठगी का आरोप लगाया है। पीड़िता रामरती ने बुधवार दोपहर पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। रामरती ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव के मुकेश कुमार ने उन्हें अपना प्लॉट बेचने की बात कही थी। परिवार से सलाह के बाद दो बिस्वा जमीन का सौदा 5.17 लाख रुपये में तय हुआ। मुकेश ने खरीदार को रजिस्ट्री कार्यालय ले जाए बिना स्वयं रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया था। रामरती और उनके परिवार ने अलग-अलग तारीखों पर ऑनलाइन और नकद माध्यम से कुल 4.99 लाख रुपये मुकेश कुमार और उनकी पत्नी कुसुमा के खातों में जमा किए। इसके बाद 28 जनवरी 2026 को नोटरी के माध्यम से एक शपथ पत्र तैयार कर उन्हें दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि जब वह खरीदी गई जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कराने पहुंचीं, तो गांव निवासी मुरली ने जमीन पर अपना स्वामित्व जताया और काम रुकवा दिया। खतौनी निकलवाने पर पता चला कि भूमि का वास्तविक मालिक मुरली ही है। विवाद से बचने के लिए रामरती को मुरली को दो लाख रुपये देकर उसी जमीन का विधिवत बैनामा कराना पड़ा। रामरती का कहना है कि जब उनके पति ने मुकेश कुमार से दिए गए रुपये वापस मांगे, तो वह टालमटोल करता रहा। बाद में उसने रुपये लौटाने से साफ इनकार कर दिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंची रामरती ने बताया कि उन्होंने जमीन खरीदने के लिए ब्याज पर रुपये और ऋण लेकर यह रकम जुटाई थी। उनका कहना है कि अब उन्हें न तो जमीन चाहिए और न ही किसी प्रकार का विवाद, बल्कि केवल अपनी मेहनत की कमाई वापस चाहिए। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने, धनराशि हड़पने और धमकी देने के आरोप में मुकेश कुमार और उसकी पत्नी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करने तथा उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है और मामले की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापा, दो विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

उन्नाव में खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सफीपुर और सदर तहसील क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दो उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए, जबकि एक सहकारी समिति को कड़ी चेतावनी जारी की गई। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी ने अपेक्षा पाल खाद भंडार, प्रभात कृषि सेवा केंद्र सफीपुर, द्विवेदी खाद भंडार सफीपुर, यादव खाद भंडार मुंडाकुल और उदाशाह साधन सहकारी समिति का जायजा लिया। अपेक्षा पाल खाद भंडार पर उर्वरक वितरण में अनियमितताएं पाई गईं। वहीं, यादव खाद भंडार निरीक्षण के समय बंद मिला, जिसके चलते दोनों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। उदाशाह साधन सहकारी समिति में भी कई कमियां सामने आईं। इस पर जिला कृषि अधिकारी ने समिति को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक का वितरण शासन के नियमों के अनुसार ही किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी लापरवाही या अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिए कि किसानों को उनकी जोत और भूमि के अनुसार निर्धारित मात्रा में तथा सरकार द्वारा तय मूल्य पर ही उर्वरक उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्टॉक और वितरण रजिस्टर को नियमित रूप से अपडेट रखने, उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण करने और फॉर्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान पर कालाबाजारी, अधिक मूल्य वसूली, स्टॉक में गड़बड़ी या अन्य अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ उर्वरक (नियंत्रण) आदेश-1985 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विक्रेता स्वयं जिम्मेदार होगा। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे उर्वरक खरीदते समय अपनी फॉर्मर रजिस्ट्री अथवा खतौनी के आधार पर निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक खरीदें।

उन्नाव में 3 सितंबर तक धारा 163 लागू, पांच से अधिक लोगों के जुटने पर रोक

उन्नाव में आगामी त्योहारों और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत पूरे जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए हैं। यह आदेश मंगलवार रात से प्रभावी हो गया है और 3 सितंबर तक लागू रहेगा। प्रशासन ने यह निर्णय श्रावण मास, स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, ईद-ए-मिलाद, बारावफात समेत अन्य प्रमुख त्योहारों और अगस्त माह तक आयोजित होने वाली सीबीटी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से लिया है। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों पर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त कार्यक्रम इस आदेश से मुक्त रहेंगे। बिना अनुमति लाउडस्पीकर के उपयोग, आतिशबाजी और पटाखे चलाने पर भी रोक लगाई गई है। आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति लाठी-डंडा, चाकू, भाला, फरसा, तलवार या किसी भी प्रकार का आग्नेयास्त्र लेकर सार्वजनिक स्थानों पर नहीं चलेगा। हालांकि, ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों तथा दिव्यांगों द्वारा सहारे के लिए उपयोग की जाने वाली छड़ी या बैसाखी इस प्रतिबंध से बाहर रहेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री से मिले किसान संगठनों के प्रतिनिधि, उठाए किसानों के अहम मुद्दे

किसान समन्वय समिति से जुड़े देशभर के किसान संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार रात नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। करीब रात 8 बजे हुई बैठक में किसानों से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल उन्नाव के किसान आंदोलन के प्रदेश सचिव अजय अनमोल ने उत्तर प्रदेश के आलू किसानों की समस्याओं के साथ-साथ ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों का मामला प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान कृषि सुधार, एथेनॉल नीति, कृषि उपज के वितरण तंत्र, किसानों की आय बढ़ाने के उपाय और नई कृषि नीति जैसे विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। किसान नेताओं ने कृषि क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों और किसानों के सामने आ रही आर्थिक परेशानियों से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। अजय अनमोल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि उत्तर प्रदेश के आलू किसानों को लगातार बढ़ती उत्पादन लागत और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से ऐसी प्रभावी नीति बनाने की मांग की, जिससे किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके और बाजार व्यवस्था अधिक मजबूत हो।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर फिलहाल नहीं लगेगा टोल, सड़क मरम्मत तक NHAI का बड़ा फैसला

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के बाद NHAI ने मरम्मत पूरी होने तक टोल वसूली रोक दी है। परियोजना अधिकारियों पर कार्रवाई शुरू हो गई है, जबकि IIT खड़गपुर की टीम सड़क की गुणवत्ता की जांच करेगी।

लखनऊ से कानपुर जाने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर फिलहाल कोई टोल नहीं लगेगा। सड़क धंसने और जगह-जगह खराब होने की शिकायतों के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने टोल वसूली रोक दी है। जब तक सड़क की मरम्मत पूरी नहीं हो जाती, तब तक यह फैसला लागू रहेगा। इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई को हुआ था। अभी बीस दिन भी पूरे नहीं हुए थे कि सोशल मीडिया पर शिकायतें आने लगीं। लोग तस्वीरें और वीडियो डाल रहे थे, जिनमें सड़क के कई हिस्से धंसे हुए दिख रहे थे। ऊपरी परत उधड़ गई थी और पैचवर्क भी नजर आ रहा था। आम लोगों की इन शिकायतों ने एनएचएआई को हिला दिया। एनएचएआई ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा को हटा दिया गया। उनकी जगह बरेली की परियोजना निदेशक नवरत्न को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पहले के परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ठेकेदार कंपनी पीएनसी के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कंपनी को करनी पड़ेगी। टोल की भी भरपाई उसी से ली जाएगी। जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर की टीम बुलाई गई है। यह टीम दो दिन में मौके पर पहुंचेगी और एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल ने बताया कि मरम्मत का काम 6 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल करीब पांच किलोमीटर का डायवर्जन लगाया गया है। उनका कहना है कि वाहनों की रफ्तार पर कोई असर नहीं पड़ा है और गाड़ियों की संख्या भी पहले जैसी ही बनी हुई है। 63 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे लखनऊ और कानपुर को तेजी से जोड़ने के लिए बनाया गया था। लेकिन इतनी जल्दी सड़क खराब हो जाना लोगों को हैरान कर रहा है। काम की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। एनएचएआई अब ठेकेदार, इंजीनियर और कई अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी कर रहा है। यात्रियों को राहत जरूर मिली है क्योंकि टोल नहीं देना पड़ रहा। लेकिन असली राहत तब मिलेगी जब सड़क पूरी तरह ठीक हो जाए और फिर से सुरक्षित सफर शुरू हो।

जालौन में SDM रिंकू सिंह राही पर वकीलों का विरोध, तबादले की मांग तेज

उत्तर प्रदेश के चर्चित IAS अधिकारी और जालौन में उपजिलाधिका री (न्यायिक) के पद पर तैनात रिंकू सिंह राही एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। इस बार उरई कलेक्ट्रेट की बार एसोसिएशन के वकीलों ने उनके कार्यशैली और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे को ज्ञापन सौंपा है। वकीलों ने रिंकू सिंह राही का तत्काल तबादला किए जाने की मांग की है। बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक राजस्व न्यायालयों में कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। वकीलों का आरोप है कि SDM रिंकू सिंह राही का व्यवहार अधिवक्ताओं के प्रति उचित नहीं है। उनका कहना है कि अधिकारियों की कार्यशैली के कारण वकीलों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहा है। वकीलों के अनुसार, 3 अगस्त को उरई कलेक्ट्रेट स्थित जिला बार एसोसिएशन भवन में उपाध्यक्ष ओम नारायण सिंह की अध्यक्षता में राजस्व मामलों से जुड़े अधिवक्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि जब तक रिंकू सिंह राही का स्थानांतरण नहीं किया जाता और अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक राजस्व न्यायालयों में सहयोग नहीं किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने दिया संदेश

गोरखपुर के MMMUT के 11वें दीक्षा समारोह की अध्यक्षता करने राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल पहुंची। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने चरित्र का निर्माण करना भी होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के हित में उपयोग हो। राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष 60 प्रतिशत छात्राओं और 40 प्रतिशत छात्रों ने उपाधियां प्राप्त की हैं। यह आंकड़ा महिला सशक्तीकरण का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक ओर बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश का भविष्य संवार रही हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ महिलाएं अपराधों के कारण जेलों में भी हैं। इस विषय पर विश्वविद्यालयों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए, ताकि युवाओं में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़े। बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए राज्यपाल ने कहा कि संस्थाएं उन्हें सभी आवश्यक कौशल सिखाये, जिससे वे विकसित भारत के निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से जल संरक्षण, ऊर्जा बचत और सौर ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग की दिशा में ठोस कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं सभी विश्वविद्यालयों से इस संबंध में किए गए कार्यों की जानकारी लेंगी और अपेक्षा करेंगी कि परिसर पर्यावरण संरक्षण के मॉडल बनें। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां विशेष अभियान चलाकर उन्हें नशामुक्त गांव बनाया जाए। नशा मुक्त होने से देश को स्वस्थ पीढ़ी मिलेगी।

शामली एनकाउंटर में एक लाख का इनामी फुरकान ढेर, पुलिस से मुठभेड़ में मार गिराया

शामली में बुधवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी फुरकान मारा गया। पुलिस का कहना है कि फुरकान काफी समय से फरार था और उसके खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज थे। मुठभेड़ कैराना क्षेत्र के आसपास हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि फुरकान और उसके साथी इलाके में घूम रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में फुरकान को गोली लगी और वह मौके पर ही ढेर हो गया। बाकी साथी भाग निकले। पुलिस ने मौके से हथियार और गोलीयां बरामद की हैं। फुरकान कैराना का रहने वाला था। उसके खिलाफ करीब 20 मुकदमे दर्ज थे। इनमें लूट, डकैती, हत्या की कोशिश और अवैध हथियार रखने जैसे मामले शामिल हैं। सबसे खास बात यह है कि वह कैराना पलायन मामले में भी आरोपी था। उस समय इलाके में कई परिवारों को धमकी देकर भगाया गया था। फुरकान उस गैंग से जुड़ा बताया जाता है जिसने इलाके में दहशत फैलाई थी। एनकाउंटर के बारे में जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि कुख्यात फुरकान पिछले लंबे समय से फरार चल रहा था। बुधवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड में मारा गया है। फुरकान ने 2024 में व्यापारी नेता विनोद सिंघल की गोली मारकर हत्या की थी। व्यापारी से रंगदारी मांगने का आरोप था। व्यापारी ने पैसे देने से मनाकर दिया था, इसलिए उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद कैराना में दहशत फैल गई और कई व्यापारी पलायन करने लगे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फुरकान लंबे समय से पुलिस की नजर में था। उसके सिर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। कई बार छापेमारी हुई लेकिन वह हर बार फिसल जाता था। इस बार सूचना सटीक मिली और पुलिस ने सफलता हासिल की।